इकाई - I

4. कठपुतली

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. चित्र में दिये गये खिलौनों के बारे में बताओ।
3. बच्चे खिलौने क्यों पसंद करते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

कठपुतली
गुस्से से उबली
बोली–ये धागे
क्यों हैं मेरे पीछे-आगे?
इन्हें तोड़ दो;
मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो।

सुनकर बोलीं और-और
कठपुतलियाँ
कि हाँ,
बहुत दिन हुए
हमें अपने मन के छंद छुए।

मगर...
पहली कठपुतली सोचने लगी–
ये कैसी इच्छा
मेरे मन में जगी?

❑ *भवानीप्रसाद मिश्र*

© SCERT not to be republished

कविता के बारे में

इस कविता में कठपुतलियाँ स्वतंत्रता की इच्छा से स्वयं अपनी बात व्यक्त कर रही हैं। उनके समक्ष स्वतंत्रता को साकार बनानेवाली चुनौतियाँ हैं। धागे में बँधी हुई कठपुतलियाँ पराधीन हैं। इन्हें दूसरों के इशारे पर नाचने से दुख होता है। दुख से बाहर निकलने के लिए एक कठपुतली विद्रोह कर देती है। वह अपने पाँव पर खड़ी होना चाहती है। उसकी बात सभी कठपुतलियों को अच्छी लगती है। स्वतंत्र रहना कौन नहीं चाहता! लेकिन, जब पहली कठपुतली पर सबकी स्वतंत्रता की ज़िम्मेदारी आती है, वह सोच-समझकर कदम उठाना ज़रूरी समझती है।

सुनिए–बोलिए

1. अपने पैर पर खड़े होने से क्या अभिप्राय है? बताइए।
2. "बहुत दिन हुए
   हमें अपने मन के छंद हुए।" इस पंक्ति के भाव पर चर्चा कीजिए।
3. कठपुतली कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

पढ़िए

1. भाव से संबंधित पंक्तियाँ लिखिए।
   कठपुतली को गुस्सा आया। क्योंकि उसके आगे–पीछे धागे बँधे हैं। वह गुलाम है। वह अपनी इच्छा से काम नहीं कर सकती। इसलिए वह कहती है कि मुझे मेरे पैरों पर छोड़ दो।
2. पहली कठपुतली ने स्वयं कहा कि–'ये धागे / क्यों हैं मेरे पीछे–आगे?/ इन्हें तोड़ दो; / मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो।'–तो फिर वह चिंतित क्यों हुई कि–'ये कैसी इच्छा / मेरे मन में जगी?' नीचे दिए वाक्यों की सहायता से अपने विचार व्यक्त कीजिए–
   - उसे दूसरी कठपुतलियों की ज़िम्मेदारी महसूस होने लगी।
   - उसे शीघ्र स्वतंत्र होने की चिंता होने लगी।
   - वह स्वतंत्रता की इच्छा को साकार करने और स्वतंत्रता को हमेशा बनाए रखने के उपाय सोचने लगी।
   - वह डर गई, क्योंकि उसकी उम्र कम थी।

लिखिए

1. कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?
2. कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती?
3. पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगी?
4. नीचे दो स्वतंत्रता आंदोलनों के वर्ष दिए गए हैं। इन दोनों आंदोलनों के दो–दो स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखिए–
   (क) सन् 1857 ....
   (ख) सन् 1942 ....

शब्द भंडार

निम्न मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

गुस्से से उबलना, अपने पाँवों पर खड़े होना, मन के छंद छूना, इच्छा जगना।

© SCERT not to be republished

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

- कविता में कठपुतलियों ने अपनी स्वतंत्रता के बारे में सोचा। स्वतंत्रता से उनका अभिप्राय अपनी इच्छानुसार कार्य करना है। वे चाहती हैं कि उन पर किसी का नियंत्रण न रहे। इसी प्रकार अन्य पालतू पशु क्या सोचते होंगे? किसी एक पशु की आत्मकथा लिखिए।

प्रशंसा

- कठपुतलियों ने स्वतंत्र होने की इच्छा व्यक्त की। लेकिन वे स्वतंत्रता अपने पैरों पर खड़े होने को मानती हैं। अपने पैरों पर खड़े होने का मतलब है– आत्मनिर्भर होना। आत्मनिर्भरता का जीवन में क्या महत्व है? समझाइए।

भाषा की बात

1. कई बार जब दो शब्द आपस में जुड़ते हैं तो उनके मूल रूप में परिवर्तन हो जाता है। कठपुतली शब्द में भी इस प्रकार का सामान्य परिवर्तन हुआ है। जब **काठ** और **पुतली** दो शब्द एक साथ हुए **कठपुतली** शब्द बन गया और इससे बोलने में सरलता आ गई। इस प्रकार के कुछ शब्द बनाइए–

जैसे–काठ (कठ) से बना–कठगुलाब, कठफोड़ा

हाथ–हथ सोना–सोन मिट्टी–मट

2. कविता की भाषा में लय या तालमेल बनाने के लिए प्रचलित शब्दों और वाक्यों में बदलाव होता है। जैसे–आगे-पीछे अधिक प्रचलित शब्दों की जोड़ी है, लेकिन कविता में 'पीछे-आगे' का प्रयोग हुआ है। यहाँ 'आगे' का '...बोली ये धागे' से ध्वनि का तालमेल है। इस प्रकार के शब्दों की जोड़ियों में आप भी परिवर्तन कीजिए–दुबला-पतला, इधर-उधर, ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ, गोरा-काला, लाल-पीला आदि।

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. कविता गा सकता हूँ। सुना सकता हूँ। भाव बता सकता हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं का भाव व्याख्या करते हुए लिख सकता हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		
5. इस भाव पर आधारित आत्मकथा लिख सकता हूँ।		

© SCERT not to be republished